परिवर्तन पत्रिका

समुदाय के लिए तक्षशिला की एक पहल

अप्रैल 2026 अंक 1 | खंड 10

ग्राम एवं पो. नरेन्द्रपुर, प्रखण्ड: जीरादेई, जिला: सिवान-841 446 बिहार | मोबाइल : +91 8434170118 | Email : Info@parivartanbihar.org

नियमित प्रयास ही सफलता की कुंजी है

परिवर्तन खेल इकाई से जुड़े खिलाड़ियों का समय - समय पर नियमित प्रशिक्षण होता है। इसके लिए आवश्यक रूप से बाहर से प्रशिक्षक भी बुलाये जाते हैं। वैसे तो ये खिलाड़ी प्रत्येक दिन अभ्यास करते हैं पर बीच बीच में इनके लिए प्रशिक्षक बुलाने से इनको भी एक ताजगी महसूस होती है और नया कौशल भी सीखने को मिलता है। इसको देखते हुए इस वर्ष भी दिनांक 1-7 अप्रैल 2026 तक कबड्डी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया गया जिसमें कुल 75 खिलाड़ियों ने भाग लिया। वर्ष 2018 में कबड्डी का प्रशिक्षण शुरू किया गया था तब से आज तक में काफी अंतर आ गया है। तब एक लड़के या लड़की को कबड्डी जैसे खेल से जोड़ना काफी संघर्षपूर्ण काम था, यह परिस्थिति आज भी है पर अब थोड़ा आसान हो गया है। धीरे धीरे लोग इसकी आवश्यकता को समझ गए हैं। आज कबड्डी से जुड़े खिलाड़ी अपने बीच से ही किसी को अच्छी उपलब्धि प्राप्त करते देख रहे हैं तो उनका भी हौसला बढ़ रहा है ।

इन्ही बच्चों को और नयी तकनीक से रूबरू करवाने एवं उनके उत्साहवर्धन के लिए खेल प्राधिकरण, पटना बिहार के सहयोग से परिवर्तन में सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कोच के रूप में बेहद कौशलपूर्ण प्रशिक्षक रामानुज यादव एवं स्वेता कुमारी उपलब्ध रहीं। ये दोनो कोच NIS कोच हैं जिनके द्वारा इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मुख्य रूप से तीन हिस्सों में किया गया। सुबह एवं शाम का सत्र प्रायोगिक समझ के लिए था वहीं दोपहर का सत्र तकनीकी जानकारी से परिपूर्ण करने के लिए था। शिविर के अंतिम दिन एक अभिभावक बैठक का भी आयोजन हुआ जिसमें कुल 68 अभिभावकों ने भाग लिया।

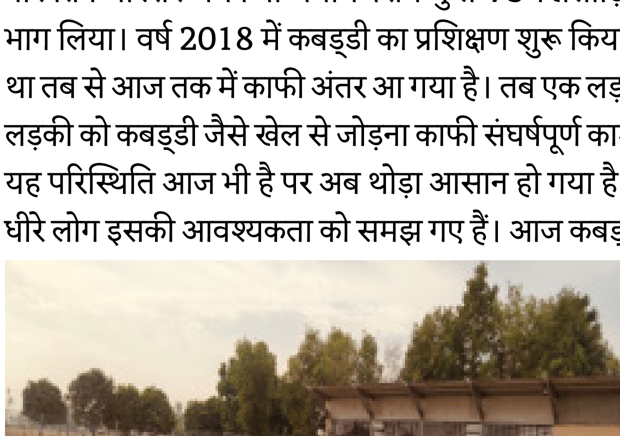

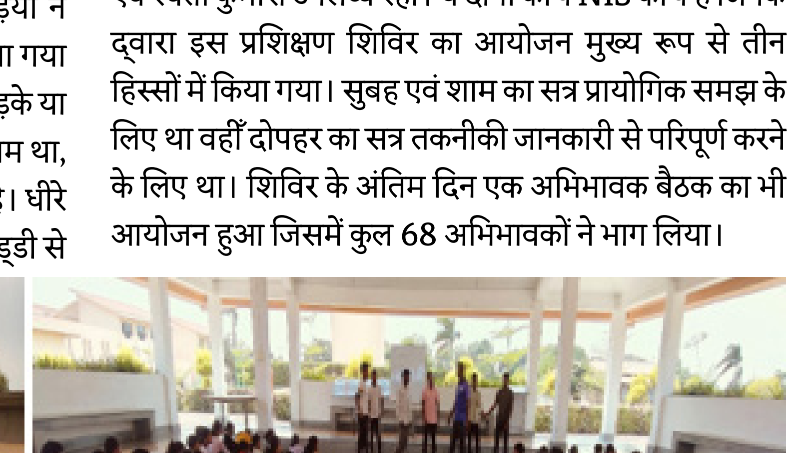

सामाजिक बदलाव का आईना है, नुक्कड़ नाटक

परिवर्तन रंगमंडली समय समय पर अपने नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से समाज में जागरूकता प्रसारित करने का प्रयास करती रहती है। इसी कड़ी में दिनांक 15-18 अप्रैल 2026 तक लड़कियों की शिक्षा आधारित चार दिवसीय नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति अलग अलग कुल 4 विद्यालयों में की गयी जिसमें मध्य विद्यालय नरेन्द्रपुर, मध्य विद्यालय बंगरा उज्जैन, मध्य विद्यालय रुईया बंगरा तथा मध्य विद्यालय बड़हुलिया शामिल रहा। कुल 40 शिक्षक और 900 बच्चे दर्शक के रूप में शामिल हुए। इस नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य समाज में लड़कियों की शिक्षा की आवश्यकता के प्रति जागरूकता फैलाना था। नाटक की कहानी, एक बेटी पर आधारित थी जो अपने पिता को समझाती है कि उसे भी स्कूल जाने का अधिकार मिलना चाहिए ताकि वह पढ़ लिखकर अपने जीवन में आगे बढ़ सके। नाटक में दिखाया गया कि समाज के कई लोग लड़की को ताना मारते हैं - पढ़ लिखकर क्या करोगी, आखिर दूसरे के घर ही जाना है, सास ससुर की सेवा करनी है, खाना बनाना है, तुम लड़की हो, लडको की बराबरी मत करो। इन तानों

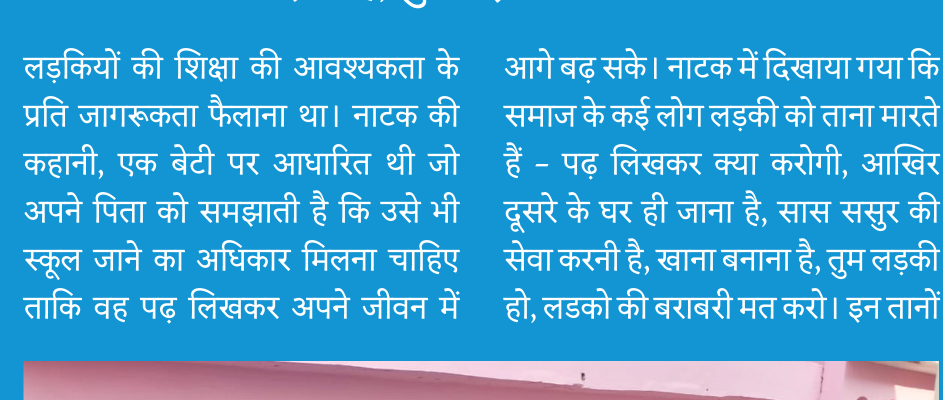

और सामाजिक सोच के बावजूद बेटी हार नहीं मानती और अपने पिता को शिक्षा के महत्त्व के बारे में समझाती है। अंततः पिता अपनी बेटी की बात मान लेते हैं और उसे स्कूल भेजने का निर्णय लेते हैं। नाटक के माध्यम से यह सन्देश दिया गया कि लड़कियाँ भी लड़कों के समान अधिकार रखती हैं और शिक्षा ही उनके उज्जवल भविष्य की कुंजी है।

पोषण और स्वच्छता हर एक की जरुरत है

पोषण और स्वच्छता दो ऐसे विषय हैं जो व्यक्तिगत रूप से हरेक इंसान को प्रभावित करते हैं। इन दोनों विषयों के प्रति अगर इन्सान जागरूक हो तो वह अपने जीवन को स्वस्थ तरीके से जी सकता है परन्तु थोड़ी भी जागरूकता में कमी सीधे तौर पर इन्सान को बीमार बनाती है। बचपन में हमारे पोषण और स्वच्छता की जिम्मेदारी हमारे अभिभावक की जिम्मेवारी होती है परन्तु जैसे ही हम बड़े होते जाते हैं तो यह विषय हरेक व्यक्ति का व्यक्तिगत विषय और जिम्मेवारी हो जाती है। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में इन बिंदुओं पर कुछ ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता या जागरूकता का अभाव देखा जाता है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन विज्ञानशाला और अन्य इकाइयों के समेकित प्रयास से यह तय किया गया है कि विद्यालय के बच्चों को इसके बारे में जानकारी देनी आवश्यक है। इसी सोच के तहत दिनांक 29 अप्रैल 2026 को उच्च विद्यालय बलईपुर में पोषण स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 10 वीं की कुछ 70 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विज्ञानशाला द्वारा पोषण स्वच्छता पर परिचय के साथ डब्लू एच ओ द्वारा निर्देशित उम्र तालिका के अनुसार भोजन के मानक गतिविधि का सञ्चालन किया साथ ही साथ बी.एम्.आई द्वारा बच्चों के साथ, उनके शारीरिक स्वास्थ्य की जानकारी साझा की। रंगमंडली के साथियों ने पोषण गीत, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत और नाटक प्रदर्शन किया। उमंग द्वारा स्थानीय स्तर पर समसामयिक पोषक खाद्य पदार्थ से जोड़ने के लिए सार्थक चर्चा की गयी एवं बच्चों की समझ को मजबूत बनाने का प्रयास किया गया।

एक सशक्त टीम ही सशक्त समाज की अगुआई कर सकती है

हाल के वर्षों में सामाजिक संस्थाओं के कामकाज में तेजी से बदलाव आया है। बदलते सामाजिक और तकनीकी परिदृश्य के बीच कर्मचारियों को नए कौशल और ज्ञान से लैस करना आवश्यक हो गया है। क्षमता वृद्धि से कर्मचारियों में आत्मविश्वास बढ़ता है, संगठन की पारदर्शिता मजबूत होती है और समुदाय को बेहतर सेवाएं मिलती हैं। साथ ही साथ संस्था की कार्यक्षमता और समाज पर प्रभाव दोनो ही मजबूत होते हैं। नियमित प्रशिक्षण और क्षमता विकास से संस्था न केवल टिकाऊ बनती है बल्कि समाज में उसका भरोसा भी बढ़ता है। इसी उद्देश्य से दिनांक 24 एवं 25 अप्रैल 2026 तक दो दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में आलोक अरुणम और मार्गदर्शक के रूप में यशवंत पाराशर जी शामिल रहे। इस कार्यशाला के दौरान संस्था की बुनियादी

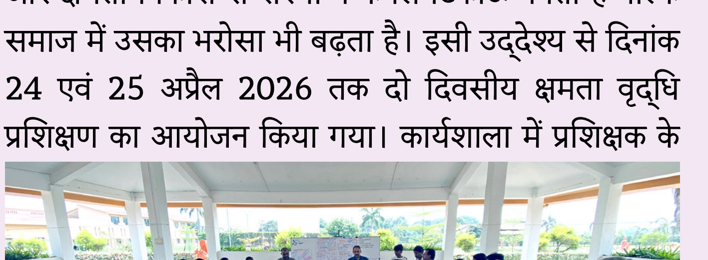

सोच, लक्ष्य एवं संचालित गतिविधियों से मिले अनुभव के साथ साथ अगले वर्ष की योजना एवं कार्य करने हेतु प्राथमिकता वाले विषय को चिन्हित कर विस्तार से चर्चा की गयी। इस दौरान कई सारी गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। इस कार्यशाला उपरांत परिवर्तन से जुड़े सभी सदस्यों को पुनः अपने लक्ष्य एवं उस लक्ष्य के अनुरूप गतिविधियों को तय करने में आसानी हुयी। हम अब पूरे एक साल की गतिविधियों के साथ पूर्ण रूप से तैयार हैं।

मिट्टी के स्वास्थ्य की जानकारी हमारे खर्च को आधा कर सकती है

किसानों की खेती का मूल आधार मृदा है। इसकी उर्वरता को बनाए रखने और उसे और बेहतर बनाने के उद्देश्य से परिवर्तन कृषि इकाई द्वारा अप्रैल माह के अंतिम पखवाड़े में कार्य क्षेत्र के किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों के खेतों से कुल 60 मिट्टी के नमूने एकत्र किए गए। इन नमूनों की जांच IFFCO के सहयोग से कराई गई, जिससे मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों की सही स्थिति का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा सके। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित किसानों को उनकी मृदा परीक्षण रिपोर्ट वितरित की गई। विशेषज्ञों के अनुसार, मृदा परीक्षण के माध्यम से किसानों को यह जानकारी मिलती है कि उनके खेत में किन पोषक तत्वों की कमी या अधिकता है। इससे वे अपनी अगली फसल की बुवाई के समय संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग कर सकते हैं, जिससे न केवल फसल उत्पादन में वृद्धि होती है, बल्कि मृदा की उर्वरता भी लंबे समय तक बनी रहती है। परिवर्तन कृषि इकाई का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक

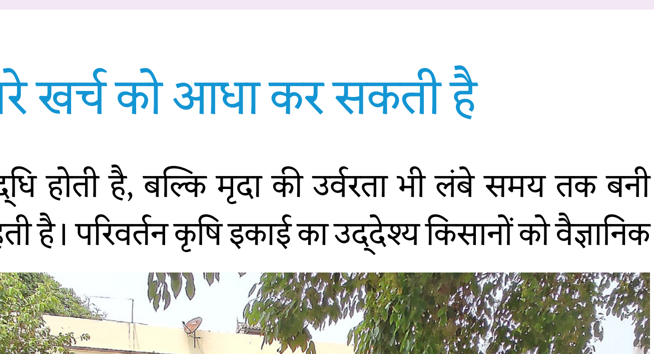

खेती की ओर प्रेरित करना है, ताकि वे कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें और अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

किशोरियों को आगे बढ़ाने में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अतिआवश्यक है

नए शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होने से पहले हम प्रत्येक वर्ष अप्रैल के पहले पखवारे में सघन प्रबोधन अभियान का सञ्चालन करते हैं। इस सघन संपर्क अभियान का तीन महत्वपूर्ण उद्देश्य होता है। पहला उन किशोरियों को अग्रतर पढाई के लिए प्रेरित करना जो दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में उत्तीर्ण तो हो गयी रहती हैं पर आगे के पढ़ाई के लिए अनिच्छुक और उत्साहहीन होती है। यूँ तो अधिकांश मामलों में इस अनिच्छा और उत्साहहीनता के पीछे भी परिवार या पारिवारिक कारण ही होता है। लेकिन कुछ किशोरियां ऐसी भी होती हैं जो व्यक्तिगत विचलन के कारण भी आगे पढ़ाई करने के लिए सहसा स्वप्रेरित होती नहीं दिखती हैं। जाहिर है, इस परिस्थिति में उन्हें भावनात्मक संबल प्रदान करते हुए , अग्रतर शिक्षा के लिए उपलब्ध आर्थिक सहायता देने वाले प्रोग्राम के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए और अपने सुखद भविष्य के लिए

उनसे अपनी पढ़ाई को जारी रखने का भावुक अनुरोध किया जाता है। दूसरा , हम उन किशोरियों से बात करते हैं जो स्कूल या बोर्ड की परीक्षा में असफल हो जाने के कारण आगे पढ़ाई नहीं करना चाहती हैं। यह जानते हुए कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ परिवारों में लड़कियों की पढ़ाई के लिए एक सकारात्मक वातावरण नहीं होता है और जब इस पृष्ठभूमि की कोई लड़की अपनी वार्षिक या बोर्ड की परीक्षा पास नहीं कर पाती है तो वह पढ़ाई छोड़ देने के बारे में सोचने लगती है। इस परिस्थिति में भी यदि कोई उसका उत्साहवर्धन नहीं करे तो वह धीरे -धीरे पढ़ाई छोड़ ही देती है। हम किशोरी बैठक एवं अन्य माध्यमों से ऐसी लड़कियों के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास करते हैं और उन्हें उत्प्रेरित करने का प्रयास करते हैं।

हमारा तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण प्रयास उन लड़कियों के लिए बेहतर शिक्षा -शिक्षण केंद्र उपलब्ध कराना है जो खुद भी अच्छे शिक्षण केन्द्रों में पढ़ाई करने के लिए तैयार रहती हैं और उनका परिवार भी इसके लिए तैयार होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए हम प्रतिवर्ष कुछ किशोरियों का नामांकन आवासीय विद्यालयों में कराते हैं। हमें ख़ुशी है कि हमारे प्रबोधन के परिणामस्वरूप इस वर्ष नारायणपुर गाँव की रहने वाली किशोरी,- करिश्मा कुमारी का नामांकन पिछड़े वर्ग एवं अति पिछड़े वर्ग आवासीय कन्या विद्यालय भैंसाखाल में हुआ है।

आगे आने वाले प्रमुख कार्यक्रम

ग्राम स्तरीय महिला सशक्तिकरण कार्यशाला (17 मई 2026): जागृति महिला समाख्या के महिला समूह से जुड़ी महिलाओं के साथ इस कार्यशाला का आयोजन मियां भटकन में किया जायेगा। इस कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण को लेकर बातचीत होगी एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उन्हें इस विषय पर जागरूक करने का प्रयास भी किया जायेगा।

खरीफ कार्यशाला (21 मई 2026): आने वाले खरीफ सीजन की तैयारी के प्रति किसानों को जागरूक करने एवं नयी नयी तकनीकी जानकारियों से अवगत करवाने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन परिवर्तन पसिसर में आयोजित किया जाएगा जिसमें लगभग 100 किसानों की सहभागिता संभावित है। इस कार्यशाला के दौरान जलवायु अनुकूल कृषि पर भी चर्चा होगी।

बाल मंच (21 मई 2026): बच्चों के अन्दर की छुपी प्रतिभा को मंच देने एवं उनके प्रतिभा को और आगे ले जाने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालय के बच्चे भाग लेंगे एवं प्रत्येक बच्चे द्वारा अपने पसंद की प्रस्तुति का अवसर दिया जायेगा।

सामुदायिक प्रदर्शनी (28 मई 2026): परिवर्तन द्वारा प्रत्येक माह के अंतिम गुरुवार को आयोजित होने वाली प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। इस प्रदर्शनी में परिवर्तन की पूरी टीम अपनी तैयारी के साथ गाँव में आएगी एवं अपने द्वारा किये जा रहे सभी कार्यों को विस्तार से लोगो को बताएगी।

कबड्डी दोस्ताना मैच (31 मई 2026): कबड्डी कौशल को बढ़ावा देने एवं अन्य टीम के कौशल को समझने समझाने के उद्देश्य से कबड्डी दोस्ताना मैच का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा जिसमे परिवर्तन टीम एवं जिरादेई टीम का आपसी मुकाबला परिवर्तन के उड़ान खेल मैदान मे होगा।

आतंरिक क्षमता विकास कार्यशाला प्रस्तुति (3 जून 2026): रंगमंडली द्वारा पिछले एक माह से चल रहे आतंरिक क्षमता विकास कार्यशाला के दौरान तैयार सामग्री की प्रस्तुति तय तिथि पर परिवर्तन में होनी है। इस प्रस्तुति के दौरान दर्शकों को नई सामग्री मिलेगा।

ग्राम स्तरीय महिला संशक्तिकरण कार्यशाला (5 जून 2026): जागृति महिला समाख्या के महिला समूह से जुड़ी महिलाओं के साथ इस कार्यशाला का आयोजन बंथू सलोना में किया जायेगा। इस कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण को लेकर बातचीत होगी एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उन्हें इस विषय पर जागरूक करने का प्रयास भी किया जायेगा।

चहकने की ललक कार्यशाला (10 जून 2026): चहकने की ललक पत्रिका के अगले अंक में चित्रकारी एवं लेख को शामिल करने हेतु बच्चों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन समुदाय में किया जायेगा ।

फुटबॉल दोस्ताना मैच (14 जून 2026): फुटबॉल कौशल को बढ़ावा देने एवं अन्य टीमों के कौशल को समझने समझाने के उद्देश्य से फुटबॉल दोस्ताना मैच का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा जिसमें परिवर्तन फुटबॉल टीम एवं कंधवारा टीम का आपसी मुकाबला परिवर्तन फुटबॉल खेल मैदान मे होगा ।

ग्राम स्तरीय किशोरी संगोष्ठी सह मेंस्त्रूपीडिया कार्यशाला (14 जून 2026): जागृति महिला समाख्या के किशोरी समूह से जुड़ी किशोरियों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन बलिया में किया जायेगा। इस कार्यशाला में किशोरी के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर बातचीत होगी एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उन्हें इस विषय पर जागरूक करने का प्रयास भी किया जायेगा।

खेल - खेल में कार्यशाला (14 जून 2026): परिवर्तन शिक्षा इकाई की उप इकाई बालघर किसलय द्वारा यह प्रयास किया जाता है कि खेल खेल में ही बच्चों को उनके भाषा के प्रति समृद्ध किया जा सके साथ ही साथ उनके हिंदी लेखन और बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ाया जा सके। इसी उद्देश्य से साथ इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।